रपट

विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक

दिनांक 31 जनवरी 2023

दिनांक 31 जनवरी 2023 कोदोपहर 3 बजे से 5 बजे तक ज़ूम पर विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक हुई.

उपस्थित सदस्य : जे.के. सुरेश, बी. कृष्णराजुलु , अभिजित मित्र, लक्ष्मण प्रसाद, एहसान अली, अविनाश झा, नरेश शर्मा और चित्रा सहस्रबुद्धे
आमंत्रित : सुनील छाबड़ा
बैठक का सञ्चालन गिरीश ने किया.

कार्यवाही :

1. चित्रा जी ने इस वर्ष के कार्यक्रमों की रपट प्रस्तुत की और कहा कि इन कार्यक्रमों के प्रकाश में विद्या आश्रम की दिशा और भविष्य के बारे में सोचा जा सकता है. वाराणसी ज्ञान पंचायत, लोकनीति संवाद, कला मार्ग, सुर साधना का प्रकाशन और दर्शन अखाडा का नया स्थान बनाकर स्वराज-संवाद को गति मिली है. लोकविद्या के व्हाट्स एप समूह पर चल रही साप्ताहिक वार्ताओं ने देश दुनिया में ज्ञान, अर्थ, राजनीति और समाज में हो रहे बदलावों पर चौखट से बाहर आकर समझने के मौके प्रदान किये हैं. इन सबके चलते साल भर निम्नलिखित बिंदु निरंतर संवाद में बने रहे हैं --- स्वायत्त व्यक्ति, स्वायत्त समाज और विविध ज्ञान धाराओं को बराबर की प्रतिष्ठा, न्याय, त्याग, भाईचारा के जीवन मूल्य, संत परंपरा का प्रकाश, पर-पीड़ा की अनुभूति की पहचान, खेती और कारीगरी में मनुष्यता और संस्कृति के प्रमुख आधार, प्रकृति की लय में जीवन संगठन के प्रकार , छोटे पैमाने पर उत्पादन, संग्रह और विनिमय (गति, मात्रा, आकार, संख्या, दूरी, क्षेत्र, ताप, मुद्रा, पूँजी, संगठन और सञ्चालन की इकाइयाँ आदि का) लोकहितकारी पैमाना, आदि. स्वराज ज्ञान पंचायत की तैयारी में इन सभी अवधारणाओं को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाने की कोशिशों को गति मिली. रचनात्मक कार्यक्रमों के तहत वाराणसी ज्ञान पंचायत, लोकनीति-संवाद, स्थानीय बाज़ार , भाईचारा मीडिया विद्यालय, लोक चिकित्सा प्रणालियों की प्रतिष्ठा और कला-मार्ग के मार्फ़त वाराणसी में वार्ड में वार्ड ज्ञान पंचायत बनाने के कार्य की पहल पर सहमति बनी है. लक्ष्मण प्रसाद ने किसान समाज में चल रही गतिविधियों के बारे में बातें रखी.
2. बैठक में विद्या आश्रम की वेब साईट अपडेट करने और सोशल मीडिया को उपस्थिति को गतिशील बनाने पर भी बात हुई. गिरीश, सुरेश, अभिजित और गाँधी मिलकर वेबसाईट बनाने का कार्य कर रहे हैं. समय समय पर इसके लिए लेखन और फोटो आदि सामग्री भेजने की सभी सदस्यों की ज़िम्मेदारी होगी तो यह कार्य तेज़ी से आगे बढेगा.
3. बैठक में यह विचार आया कि लोकविद्या विचार ने पिछले 25 वर्षों का सफ़र तय किया है और अब इस पर फिर से विचार करने की ज़रूरत है कि दुनिया में हो रहे बदलावों का इस समझ पर क्या असर हो रहा है. विशेषकर भारत के सन्दर्भ में और यहाँ के समाजों के सन्दर्भ में इसकी फिर से एक व्याख्या की जानी चाहिए. इसकी शुरुआत करने के लिए ज्ञान या दर्शन के क्षेत्र में इन बदलावों पर अविनाश झा को लिख भेजने का अनुरोध किया गया.

4. इस वर्ष की न्यास समिति की बैठक के बारे में (दिन, स्थान और समय) बातें हुई. इसे ज़ूम पर ही किया जाये या वाराणसी में हों तो अच्छा होगा इस बारे में कोई निर्णय नहीं हो पाया.
5. वित्त के बारे में चित्रा जी ने बातें रखी और कहा कि इस वर्ष के खर्च के लिए कुछ और धनराशि की ज़रूरत होगी. इस बारे में विचार की ज़रूरत है कि विद्या आश्रम के संसाधन जुटाने में अधिक लोगों को कैसे शामिल किया जाये.
6. बैठक का समापन इस आग्रह के साथ हुआ कि एक बार वाराणसी में मिल-बैठकर बातचीत करने का मौका बनाया जाए .